अरविन्द पाण्डेय

शिक्षा मंत्री,

उत्तराखण्ड सरकार

दिनांक : 15 अगस्त, 2019

"स्वतंत्रता दिवस सन्देश"

संदेश

उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिवार के समस्त छात्र–छात्राओं विद्वान शिक्षकों, सम्मानित अभिभावकों, सम्भ्रान्त नागरिकों तथा समस्त शैक्षणिक अभिकर्मियों को देश के 73वें स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई। साथियों आज से 72 वर्ष पूर्व हमारा देश वर्षो की राजनीतिक परतंत्रता के उपरान्त एक सम्प्रभु राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया। स्वाधीनता के आन्दोलन में देश के अमर शहीदों की गाथाएं हमारे मन में देश भक्ति की भावना का संचार करते हैं। रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, बटुकेश्वर दत्त, अस्फाक उल्लाह खॉ, सुभाष चन्द्र बोस आदि अनेकों वीर सपूतों द्वारा अपने प्राण न्यौछावर करते हुए देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की गयी। आजादी के वीर सपूतों द्वारा हिन्दुस्तान को राजनितिक के साथ–साथ सामाजिक आर्थिक सास्कृतिक क्षेत्रों में भी एक सुदृढ़ राष्ट्र बनाने की संकल्पना की गयी थी किन्तु अभी हमें सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षिक स्तर पर देश एवं प्रदेश को आगे बढ़ाते हुए सकारात्मक दिशा देने की आवश्यकता है। सौभाग्य से केन्द्र एवं राज्य सरकार इन सरोकारों पर ध्यान देते हुए राष्ट्र का गौरव बढ़ाने हेतु सकारात्मक योजनाओं पर चरणबद्ध तरीके से कार्य कर रही हैं।

प्रदेश के शैक्षिक वातावरण को सुदृढ करने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सापेक्ष एन0सी0ई0आर0टी0 के पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। साथ ही शैक्षिक प्रबन्धकों, सस्थाध्यक्षों, शिक्षकों तथा जन समुदाय को उनके दायित्वों से भली–भांति परिचित करवानें एवं कार्मिकों की कार्य दक्षता विकसित करने हेतु विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहें हैं। शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु विभाग को निर्देश दिये गये हैं तथा इस बात पर विशेष बल दिया जा रहा है कि शिक्षण सस्थाओं में पठन–पाठन का आदर्श वातावरण तैयार हो सकें। इस सन्दर्भ में हमारे कतिपय शिक्षाधिकारियों द्वारा अन्तर विभागीय समन्वय एवं जन भागीदारी से विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को आकर्षक एवं रूचि पूर्ण बनाया जा रहा है। आम जनमानस की अपेक्षाओं को देखते हुए विज्ञान विषय को क्रमोत्तर रूप से अंग्रेजी माध्यम से संचालित करवाया जा रहा है।

निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को भी राष्ट्रीय शैक्षिक परिवेश से जोड़ने हेतु एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा विकसित पाठ्य पुस्तकें लागू करवायी गयी है। इससे अभिभावकों को अधिक मूल्य की पाठ्य पुस्तकों के आर्थिक बोझ से राहत मिली है। निजी विद्यालयों को कॉशनमनी एवं पुनः प्रवेश शुल्क न लेने के निर्देश दिये गये हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सापेक्ष प्रदेश में निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों के शोषण के सम्बन्ध में आ रही कतिपय शिकायतों के दृष्टिगत प्रदेश में निजी विद्यालयों के शुल्क नियत्रंण हेतु नियमावली के प्रारूप पर सुझाव आमंत्रित किये गये हैं जिनका परीक्षण कर प्रदेश में निजी विद्यालयों के सन्दर्भ में नीतिगत निर्णय लिये जाने की प्रक्रिया गतिमान है।

छात्र–छात्राओं के सर्वागींण विकास हेतु विद्यालय स्तर पर उपचारात्मक शिक्षा डाउट क्लियरेन्स डे, इग्लिश स्पीकिंग डे तथा मासिक परीक्षओं का आयोजन किया जा रहा है। जिनके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहें हैं।

देश की स्वाधीनता के इस पावन अवसर पर मेरा प्रदेश के समस्त शिक्षकों, शिक्षणेत्तर अभिकर्मियों एवं अभिभावकों से अनुरोध है कि अपने स्तर से विद्यालय में शैक्षिक वातावरण के सृजन हेतु सहयोग प्रदान करें। बच्चों को इस अवसर पर देश भक्ति से सम्बन्धित दृष्टान्तों से परिचित करवाया जाय ताकि उनके कोमल मस्तिष्क में अभी से समाजोपयोगी एवं देश भक्ति की भावना विकसित की जा सकें।

अन्त में एक बार पुनः विद्यालयी शिक्षा परिवार के समस्त छात्र–छात्राओं, अभिकर्मियों एवं अभिभावकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

जय हिन्द! जय उत्तराखण्ड!

(अरविन्द पाण्डेय)
शिक्षा मंत्री,
उत्तराखण्ड सरकार